







## सम्पादकीय

## राजग व इंडिया की ऐली से बढ़ीं सियासी गर्मियां

आ

जस्ता पक्ष और विपक्ष ने एक साथ मिशन 2024 के लिए अपने-अपने चुनाव प्रचार अभियान का आगाहा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूपी के मेरठ से विपक्ष ने नई दिल्ली के रामलीला मैदान से जनता से संवाद किया। यूपी मोदी ने अपने जनसंविधान में जनता की ओर अतीत, परिवारवाद व विफलता पर करारा बार किया और मोदी 3:0 का रोडपैम पेश किया, जिसमें भारत को विकास के अगले चरण में ले जाने की उपरेक्षा है, वहीं विपक्षी नेताओं के संबोधन के केंद्र में पीएम मोदी व भाजपा पर प्रहर और संविधान व लोकतंत्र पर खतरा आई है टेंट-टाए आरोप रहे। रामलीला मैदान में जिस तरह अरविंद केजरीवाल व हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के विरोध में इंडी गढ़बंधन के 27 दलों के नेता एक मंच पर आए, और विपक्षी एकजुटता का परिचय दिया, उससे लगा कि 'इंडिया' मिशन 2024 के लिए कोई रोडपैम पेश किया जाएगा से तो उपरेक्षा नहीं, नीति, नए एंडेंड आदि पर कुछ भी नहीं कहा। अब जबकि लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण का मतदान महज 19 दिन बाद ही होना है, ऐसे में इंडी गढ़बंधन 273 का जारी अंकड़ा कैसे पार करेगा, गढ़बंधन की ओर से प्रधानमंत्री कौन होगा, गढ़बंधन के अंदर सीट बंटवारे को लेकर चल रही खांचतान कैसे सुलझेगी, चुनाव प्रचार अभियान किस तरह चलेगा, घोषणा-पत्र इंडिया का होगा या कांग्रेस का, विकास की कार्यवोजना क्या होगी, रोजगार सूचना का एंजेड क्या होगा, महार्ह थामने की नीति क्या होगी, आंतरिक व बाह्य सुरक्षा पर नीति क्या होगी, विदेश नीति व आर्थिक नीति क्या होगी, आंतरिक व बाह्य सुरक्षा पर नीति क्या होगी, विदेश नीति व आर्थिक नीति क्या होगी, आंतरिक व बाह्य सुरक्षा का खाता कैसे होगा आदि एवं सभी रुप से बात होनी चाहिए ही। इंडिया के लिए एक बड़ी एक अच्छी मौका था, जनता के सामने अपना एंजेड रखने का, पर विपक्ष मोदी व भाजपा विरोध सिंडेम से बाहर निकल ही नहीं पा रहा है। घम पिक्कर विपक्ष एक ही राग अलापता रहता है कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। रामलीला मैदान से 'इंडिया' गढ़बंधन ने पांच सूत्री मार्गें रखी है। ये हैं—केजरीवाल व हेमंत सोरेन की रहिए, लोकसभा चुनाव में समान अवसर, जाच एजिसीयों का कारबाह रोकने, विपक्षी दलों का अतिरिक्त रुप से गता घोटने और चुनावी चर्चे व मनी लाइंग की जांच के लिए एसएआई का गठन। इन मार्गों में कहीं से भी राजसीय राजनीतिक बृहिकोंने नहीं है। ये हैं—सापा, सापा, राजद, एसीसीपी (पवार), शिवसेना (जद्दु), डीपक, जामुरी आदि दल परिवारवाद, वंशवाद से बुरा माड़ सकते हैं? व्या कांग्रेस के समय कलें, टूटी, आदर्श, राष्ट्रपतल खेल आदि घोटाले नहीं हुए, व्या एसीसी-कांग्रेस सरकार के समय महाराष्ट्र में सिंचाई घोटाला नहीं हुआ, क्या चारा घोटाला नहीं हुआ? क्या झारखेड़ में जीवन घोटाला नहीं हुआ? क्या देखना होगा। यह राजनीतिक परोपेश है, जो जनता के मूल मुद्दों से सम्बंधित नहीं है।



## विचेचन

प्रो. नीलम महाजन सिंह

अरविंद केजरीवाल को सन्नी मारवाह के बायान पर इंडी के 9 सम्मन भेजे जाने के बाद, उन्हें गिरफ्त में लिया है। पहले कांग्रेस, आम आदमी पार्टी पर 'प्रधानार्ची' होने के आरोप लगा रही थी, अब दिल्ली के बुनावों में, 'आप' की सहयोगी दल है। जिन राज्यों में शराब निषेध का कानून लगाया है, वहां राजस्व नुकसान तथा निजी हाथों में काला धन जमा होने के प्रमाण है। सच तो यह है कि किसी भी राज्य में सरकारी नीतियों में पारदर्शिता नहीं है। पिर 2024 के आम चुनावों में, अरविंद केजरीवाल, इंडी गढ़बंधन के प्रबल प्रवक्ताओं में हैं, तथा उनकी जमानत कब होगी, यह देखना होगा। यह राजनीतिक परोपेश है, जो जनता के मूल मुद्दों से सम्बंधित नहीं है।

## दिल्ली शराब नीति घोटाले का 'सच'

हर राजनीतिक दल को पार्टी चलाने के लिए धन की आवश्यकता होती है। यही ऑडिओग्राम भ्राताचार का मुख्य कारण है। 21 मार्च 2024, को अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री को प्रवतन निदेशलय (ईडी) ने गिरफ्तार किया। संजय सिंह को 4 अक्टूबर 2023 व मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को पहले ही गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली शराब घोटाला है, जिसने 2021 से 2022 तक दिल्ली की उत्पाद शुल्क नीति की शुरूआत के माध्यम से अपना मार्ग प्रशस्त किया। यह नीति निजी फर्मों व उद्यमशील कंपनियों को खुदरा शराब क्षेत्रों में ले आई। आरोपों में निजी क्षेत्रों के मालिकों व शेयरस्थानकों को लाभ पहुंचाने, लाइसेंस शुल्क में छूट, कटौती के साथ नए उद्यमियों को आगे उपराज्यपाल के हस्ताक्षर व अनुमोदन के लिए

2-3 शराब विक्रेता कार्यरत हैं। केजरीवाल सरकार ने यह भी कहा कि 'शराब माफिया को खत्म कर देंगे' व नई दुकानों पर जाने वाले उपभोक्ताओं के अनुभव को बहतर बनाएंगे। आउटलेट्स की उपस्थिति के लिए भी दिशा निर्देश जाने का धांहली मालाल बताते हुए धन इकड़ा द्वाया जाने का धांहली मालाल बताता था। भाजपा आईटी सेल ने वीडियो जारी किया व अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर भ्राताचार के लिए एवं गिरफ्तार करने का प्रवधन दिया गया। इस बिल को आगे उपराज्यपाल के हस्ताक्षर व अनुमोदन के लिए



भेजा गया, जिसे उपराज्यपाल ने अधिकृत क्षेत्रों पर कूछ शर्तों के साथ हस्ताक्षरित कर पारित कर दिया। सच तो यह है कि इससे आप जन आंधिक शराब खरीदने लगा। आम आदमी पार्टी पर 'प्रधानार्ची' के आरोप लगाए गए हैं। इंडी ने दबाकिया है कि के कविता ने शराब के उत्पादन के मालूम बदल दिल्ली नगर नियम को अनुमति से ही खोले जा सकेंगे। नवंबर 2021 में, दिल्ली के एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि 'पहली बार सीमी सरकारी स्वामित्व वाली शराब को दुकानें बंद होने जा रही हैं व इस पूरी तरह से निजी व्यावसायिक खिलाड़ियों को स्थानान्तरित कर दिया गया है।' बाद में नई नीति वापस ले ली गई। अधिकर बया है कि दिल्ली शराब घोटाले की पुष्टीयम! दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनोज सिसोदिया, जिनके पास उत्पाद शुल्क विभागी भी था, दिल्ली की उत्पाद शुल्क नीति (2021-22) लेकर विधानसभा में आए। नीति के अनुसार इस में दिल्ली सरकार के बाहर निकलने व खुदरा एमारपीय शराब क्षेत्रों पर उसकी पकड़ कर ली। विधेयक ने निजी क्षेत्रों और उद्यमों को शराब व्यवसाय के क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अमरित किया, जिसका उद्देश्य उत्पाद शुल्क विभाग के राजस्व को बड़े प्रतिशत से अधिक बढ़ाना है। इससे नए विक्रेताओं व दुकानों को 'लोरेजर्ज लाइसेंसिंग' और अधिकारक प्रमाणपत्र' प्रदान किया गया। दिल्ली को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिसमें से प्रत्येक में लाभांग 27 आउटलेट, वितरण ठेके होंगे। इसका मतलब था कि प्रत्येक नगरपालिका वार्ड में

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बायान के बाद, उन्हें गिरफ्त में लिया है। पहले कांग्रेस, जो आम आदमी पार्टी पर 'प्रधानार्ची' होने के आरोप लगा रही थी, अब दिल्ली के चुनावों में 'आप' की सहयोगी दल है। जिन राज्यों में शराब निषेध का कानून लगाया है वहां राजस्व नुकसान हो कर, निजी हाथों में काला धन जमा होने के प्रमाण हैं। सच तो यह है कि कविता ने शराब घोटाले में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया समेत अन्य शीर्ष नीतियों के साथ मिलकर साजिश रची थी। कविता और कुछ अन्य लोगों पर 'आप' को 100 कोरड़ रुपये देने के आरोप हैं।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बायान के बाद, उन्हें गिरफ्त में लिया है। पहले कांग्रेस, जो आम आदमी पार्टी के आरोप लगाए गए हैं। इंडी ने दबाकिया है कि के कविता ने शराब घोटाले में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया समेत अन्य शीर्ष नीतियों के साथ मिलकर साजिश रची थी। कविता और कुछ अन्य लोगों पर 'आप' का प्रतिशत किया गया है। यह असाधारण है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी उनके लिए जनता में राजनीतिक सहानुभूति उत्पन्न करे। इसकी उम्मीद कम है। शीर्ष दिल्ली में राजनीतिक परोपेशों को सौंप दिया है। विषय के लिए इसकी जांच के लिए केंद्रीय एजेंसियों से हस्तक्षेप की मांग की। मनीष सिसोदिया ने कहा, 'नई नीति के दहत अनाधिकृत क्षेत्रों

## योग के सभी सूत्र नानव जीवन की आधारशिला

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सुरुद्धार प्रमाणोंगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाजी अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और प्रमाणका के मिलन के लिए जिया जाता है। जब साधक अपनी साधना की चर्चास्थाना में एकाग्रता के लिए उत्पाद शुल्क विभागी भी मन एवं आत्मा और प्रमाणका के संयोग को योग कहा गया। सांख्यादर्शन के अनुसार क्रृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में विश्वेत हो जाना योग कहलाता है। कठोरपनिषद के अनुसार, जब इंद्रियों का जांच करते हैं तो यह अवस्था योग की होती है। गोता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कमसु कोशलम्' कहकर योग को ज्ञान व अज्ञान के सम्बन्ध के लिए एकाग्रता के समाध प्रस्तुत किया है। वह सामाजिक योग के लिए अमरित किया है। कोई भी मनुष्य को एकाग्रता के साथ स्थित हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। योगवासी के प्रयोगों में विषयात्मक विभाग के राजस्व को ज्ञान के कर्म करते हुए योग को सिद्ध करते हैं। योगस्त्र के प्रयोगों में विषयात्मक विभाग के राजस्व को ज्ञान के कर्म करते हुए योग को सिद्ध करते हैं। उनके अनुसार यम, नियम,







